कार्यालय मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड, देहरादून।

85 राजपुर रोड, देहरादून, फोन नं० 0135–2742884 फैक्स न० 0135–2745691 ईमेल–cwlwua@yahoo.co.in

पत्र संख्या 1961 /6-1 देहरादून, दिनांक 30 दिसम्बर, 2020

सेवा में,

सदस्य सचिव,
केन्द्रीय चिडियाघर प्राधिकरण,
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,
भारत सरकार, बी–1 विंग, छठा तल,
पण्डित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सी0जी0ओ0 कॉम्पलैक्स भवन,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003.

विषयः– Submission of Annual Report of 2019-20 to the Central Zoo Authority of Deer Park, Mini Zoo Narain Tewari Dewal Almora-reg.

सन्दर्भः– प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग अल्मोडा का पत्रांक 2025/6–38, दिनांक 3 दिसम्बर 2020

महोदय,

उपरोक्त संदर्भित पत्र से प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग अल्मोडा द्वारा Deer Park, Mini Zoo Narain Tewari Dewal Almora की वर्ष 2019–20 की वार्षिक रिर्पोट प्रेषित की गयी है। उक्त वार्षिक रिर्पोट आपको सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित है।

संलग्नः यथोपरि।

भवदीय,

(जे.एस.सुहाग)
मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक,
उत्तराखण्ड।

पत्रांक 1961 /तददिनांकित।

प्रतिलिपिः– प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग अल्मोडा को उनके संदर्भित पत्र के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।

(जे.एस.सुहाग)
मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक,
उत्तराखण्ड।

O/C

Office: Divisional Forest Officer Civil & Soyam Almora

E-mail-csalmdfo@rediffmail.com Phone/Fax-(05962)230229

Letter No. 2025 / 6-38 Date Almora 3-12- /2020

To,

The Prinicipal Chief Conservator
Of Wild Life/ Chief Wild Life Warden
Uttarakhand, Dehradun.

कार्यालय ... वन संरक्षक
वन्यजीव ... देहरादून
पंजीकरण सं. 6211
पत्रांक 6-1
दिनांक 18/12/2020

Subject-: **Submission of Annual Report of 2019-20 to the Central Zoo Authority of deer park, Narain Tewari Dewal, Almora-regarding.**

Sir,

In Compliance of above matter Annual Report 2019-20 of Deer Park, Mini Zoo Narain Tewari Dewal Almora is being sent to you.

Enclosure-As Mentioned above.

Your Sincerely,

(R.C.Kandpal)
Divisional Forest Officer
Civil & Soyam Forest Division
Almora.

Reference No. 2025 / 6-38 Dated Almora 3-12-2020

Copy To-: The Member Secretary Central Zoo Authority Ministry of Environment, Forest & Climate Change B-1 wing 6th floor, Pt. Deendayal Antyodaya, Bhavan, C.G.O Complex Lodhi Road, New Delhi-110003.

CWLW Uttarakhand

(R.C.Kandpal)
Divisional Forest Officer
Civil & Soyam Forest Division
Almora

डियर पार्क, नारायण तेवाड़ी

देवाल/

मिनी जू/

जैव विविधता पार्क/

अल्मोड़ा

(उत्तराखण्ड)

वार्षिक प्रतिवेदन

2019—20

अनुकमणिका

क0सं0	विवरण
1	आमुख
2	प्रस्तावना
3	एक नजर / Vision
4	विशेष कार्य / Mission
5	उद्देश्य / Objectives
6	प्राणी उद्यान का विवरण
7	संगठनात्मक चार्ट
8	मानव संसाधन
9	प्राणी उद्यान प्रबन्धन / सलाहकार समिति
10	वन्य प्राणी स्वास्थ / सलाहकार समिति
11	लेखा अनुभाग
12	वन्य प्राणियों के प्रतिदिन दिये जाने वाले आहार का विवरण
13	टीकाकरण एवं स्वास्थ रक्षा
14	वन्य प्राणियों की कृमिनाश दवापान सूची
15	कीटाणुशोधन अनुसूची
16	जूनोटिक बिमारी के लिए कर्मचारियों की स्वास्थ्य जाँच
17	बाड़ों का समृद्धिकरण
18	शिक्षा प्रशिक्षण, अनुसंधान
19	विशेष एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम
20	वन्य प्राणियों के रखरखाव के लिए ऋतुवार विशेष व्यवस्था
21	शोध कार्य
22	संरक्षण एवं प्रजनन कार्यक्रम
23	वन्य प्राणियों का विनियमीकरण बचाव एंव पुनर्वास
24	वन्य प्राणी वार्षिक उपलब्धता सूची
25	वन्य प्राणियों की मृत्यु दर
26	मुक्त वन्य प्राणियों की सूची

आमुखः—

मृग विहार / रैस्क्यू सैन्टर के वर्ष 2019—20 के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यधिक हर्ष हो रहा है। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक मृग विहार / रैस्क्यू सैन्टर का प्रमुख उद्देश्य आदमखोर / संकटग्रस्त वन्य जीवों का संरक्षण, वन्य जीवों के बारे में जागरूकता फैलाने और उनके संरक्षण की जरूरतों, संरक्षण के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु अनुसंधान एवं आगन्तुकों को आनन्दमय एवं रोमांचक अनुभव प्रदान करता है। एन0टी0डी0 स्थित 38.00 है0 में फैला हुआ मृग विहार पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। चीड़ प्रजाति के जंगलों से घिरा हुआ यह मृग विहार उच्च / मध्यम हिमालय वन्य जीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वर्तमान में कुल 106 वन्य जीव उपलब्ध हैं। जो आगन्तुकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र हैं। वर्ष 2019—20 में कुल 46248 पर्यटकों ने मृग विहार का भ्रमण किया।

मृग विहार पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। वर्ष 2019—20 में छात्रों एवं जनसाधारण में पर्यावरण दिवस, ओजोन परत संरक्षण दिवस एंव वन्य प्राणी सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त मृग विहार वन्य जीवों के बचाव कार्य में सराहनीय कार्य कर रहा है। वर्ष 2019—20 में विभिन्न स्थलों से अनेक वन्य जीवों का बचाव एंव पुनर्वास किया गया।

इसके अतिरिक्त मृग विहार में शिक्षा, जनजागरूकता एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2019—20 के वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन मृग विहार के विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी हेतु किया जा रहा है। इसके लिए मैं सम्पूर्ण मृग विहार प्रबन्धन दल को हार्दिक बधाई देता हूँ और मृग विहार के समग्र विकास हेतु उनके सहयोग की कामना करता हूँ।

Randpal

(आर0सी0काण्डपाल)
प्रभागीय वनाधिकारी
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग
अल्मोड़ा।

प्रस्तावनाः–

प्राकृतिक सौन्दर्य एवं बहुमूल्य विरासत युक्त उत्तराखण्ड के लगभग 65 प्रतिशत भू–भाग पर वन स्थित हैं। जैव विविधता की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध इस प्रदेश में बर्फीले पहाड़ों से लेकर अल्पाइन के घास के मैदान एवं तराई के घने वनों में उपलब्ध विविध प्रकार की वनस्पतियां एवं पशु–पक्षियों की विविधता अद्वितीय है। उत्तराखण्ड में 18 प्रतिशत भू–भाग पर वन्य जीवों तथा उनके वास स्थलों के रूप में राष्ट्रीय पार्क, वन्य जीव अभ्यारण्य तथा बायोस्फियर रिजर्व संरक्षित क्षेत्र बनाये गये हैं। मोनाल तथा कस्तूरी मृग उत्तराखण्ड के प्रतीक चिन्हों में से हैं। पर्वतीय क्षेत्रों की जैव विविधता एवं यहां पर पाए जाने वाले वन्य प्राणियों के संरक्षण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1978 में मृग विहार की स्थापना की गयी।

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र में अल्मोड़ा का प्रमुख स्थान है। वर्तमान में मृग विहार शिक्षा, शोध एवं पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

मृग विहार उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले असहाय एवं घायल वन्य प्राणियों एवं मानव भक्षी/पशु भक्षी गुलदार तथा बाघ को आवश्यक उपचार देने के उपरान्त पुनर्वास करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

वर्तमान परिवेश में जबकि सम्पूर्ण विश्व में वनों एवं वन्यजीवों के महत्व को मानव सभ्यता हेतु आवश्यक माना जा रहा है। पर्यावरण संतुलन में इस धरती पर मौजूद प्रत्येक प्राणी का अपना महत्व एवं योगदान है। इसके बिना हम सम्पूर्ण सभ्यता की परिकल्पना नहीं कर सकते हैं।

एक नजर–: Vision– संरक्षण संवर्धन देखभाल शिक्षा एवं शोध अध्ययन द्वारा वन्य जीवों का परिरक्षण किया जाना।

विशेष कार्य–: Mission– वन्य जीवों को सुरक्षित करने हेतु संरक्षित प्रजनन, षिक्षा एवं प्रेरणा दायक कार्यों हेतु सचल केन्द्रों का निर्माण करना।

उद्देश्य–:

1. आदमखोर तेन्दुवों को पकड़ कर सुरक्षित रखना एवं उपचार करना।
2. आदमखोर तेन्दुवों के व्यवहार का अध्ययन करना।
3. भटककर बस्ती में आये तेन्दुवों को रैस्क्यू कर सुरक्षित रखना एवं तत्पश्चात् पशु चिकित्सक की स्लाह के अनुसार प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ना।
4. स्थानीय लोगों के आक्रोश को शान्त करने हेतु मानव वन्य जीव संघर्ष के प्रकरणों से सम्बन्धित तेन्दुवों को कुछ समय के लिए रैस्क्यू सैन्टर में सुरक्षित रखना।
5. वन विभाग के प्रति स्थानीय लोगों में सद्भाव पैदा करना।
6. मध्य स्थलीय वन्य जीवों का सतत संग्रहण करना।

7. मृग विहार में स्थित वन्य जीवों के प्रबन्धन हेतु विभिन्न शोध अध्ययन जानकारियाँ तथा शिक्षा की आधारभूत व्यवस्था करना।
8. पर्यटन को बढ़ावा देना तथा स्थानीय जन को अभिविका का अवसर देना।,
9. वनस्पतियों एवं विलुप्त प्राय प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन।
10. कर्मचारियों एवं पर्यटकों की सुविधा एवं समृद्धि सुनिश्चित करना।
11. वन्य प्राणियों के बचाव कार्य एवं पुनर्वास के साथ–साथ उनके उत्तरजीविका को बनाये रखना।

मृग विहार का विवरण–:

क0सं0	विवरण	सूचना / जानकारी
1	चिड़ियाघर का नाम	जैव विविधता / मिनी जू एन0टी0डी0 अल्मोड़ा
2	स्थापना वर्ष	1978
3	चिड़ियाघर का पता	नारायण तेवाड़ी देवाल, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड
4	राज्य का नाम	उत्तराखण्ड
5	टेलीफोन नं0	05962–230229
6	फैक्स नं0	05962–230229
7	ई–मेल	csalmdfo@rediffmail.com
8	वैब साइट	–
9	निकटतम से दूरी	हवाई अड्डा–120 कि0मी0
		रेलवे स्टेशन–90 कि0मी0
		बस स्टेशन-- 3 कि0मी0
10	चिड़ियाघर का प्रकार	मिनी जू
11	क्षेत्र(है0 में)	38 हैक्टेयर
12		
13	आगंतुकों की संख्या (वर्ष2019–20)	भारतीय वयस्क–39180
		भारतीय बच्चे– 7068
		कुल भारतीय– 46248
		कुल विदेशी – रिक्त
		कुल आगंतुकों की संख्या – 46248
14	चिड़ियाघर में उपलब्ध आगंतुकों की सुविधा व्यवस्था	सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं।
15	चिड़ियाघर का साप्ताहिक बंद होने का दिन	मंगलवार

चिड़ियाघर के प्रबंधन कर्मियों का विवरण–

16	प्रभारी अधिकारी के पदनाम के साथ नाम	श्री के0एस0रावत, प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा।
	पशु चिकित्सा अधिकारी का नाम	–
	क्यूरेटर का नाम	श्री राजेश कुमार जोशी, वन क्षेत्राधिकारी, मृग विहार
	जीव विज्ञानी का नाम	–
	शिक्षा अधिकारी का नाम	–

	कम्पाउन्डर/प्रयोगशाला सहायक का नाम	श्री गिरीश चन्द्र काण्डपाल (संविदा कर्मचारी)
चिड़ियाघर के प्रभारी/ऑपरेटर		
17	प्रभारी का नाम	प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा
18	प्रभारी का पता	सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा
19	प्रभारी का फोन नं0	05962–230229
20	ई–मेल	csalmdfo@rediffmail.com

मृग विहार का संगठनात्मक चार्टः–

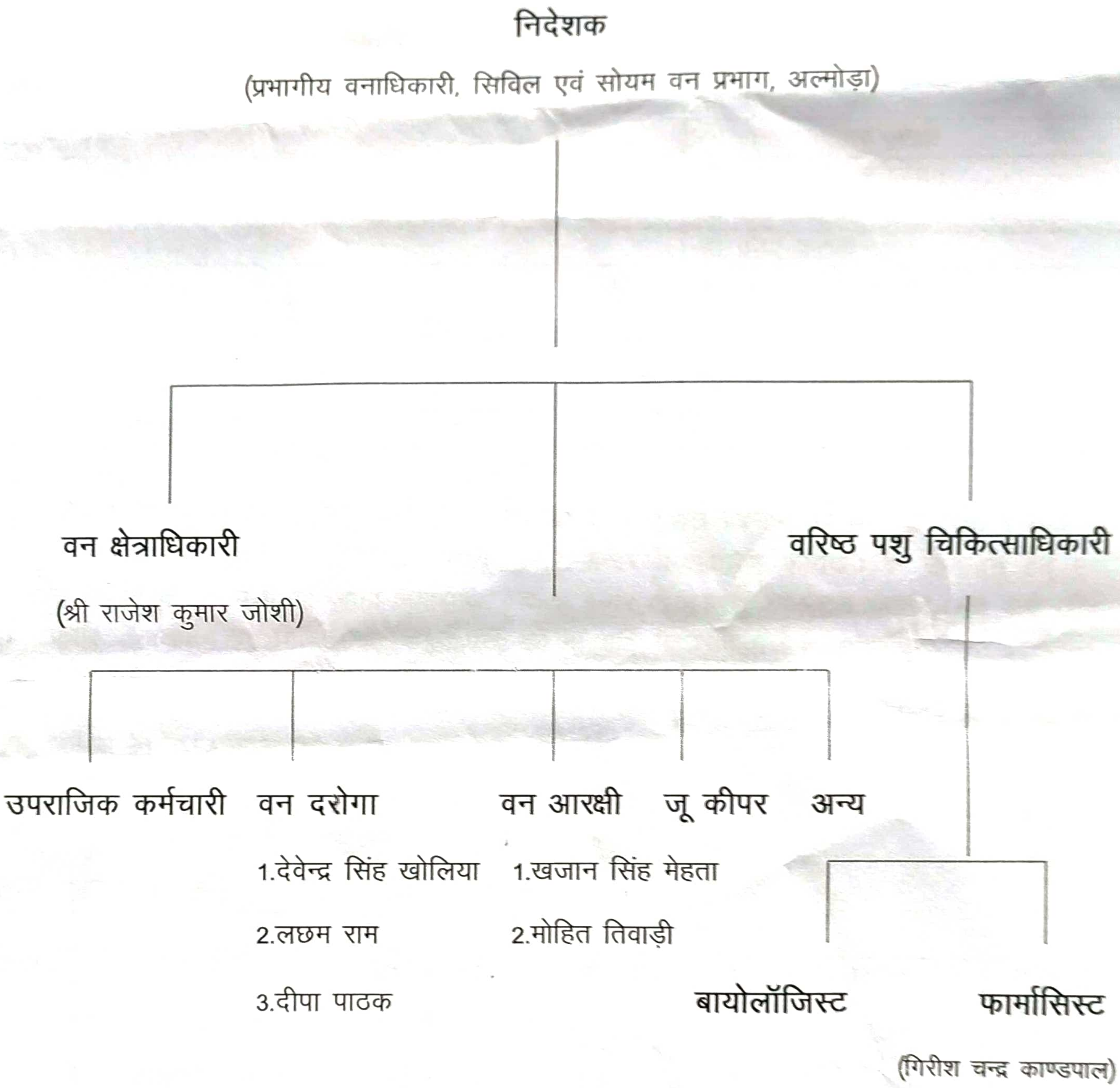

मानव संसाधनः—

मृग विहार में वन्य जीवों के रखरखाव, व्यवस्था, प्रबन्धन एवं अनुरक्षण कार्यों हेतु निम्नानुसार स्टाफ तैनात हैः—

क0सं0	पदनाम	संख्या	पदस्थ अधिकारी
1	प्रभागीय वनाधिकारी	01	श्री के0एस0रावत
2	वन क्षेत्राधिकारी	01	श्री राजेश कुमार जोशी
3	वन दरोगा	04	श्री देवेन्द्र सिंह खोलिया
			श्री लछम राम
			श्री दीपा पाठक
4	वन रक्षक	02	श्री खजान सिंह मेहता
			श्री मोहित तिवाड़ी
5	चौकीदार	01	श्रीमती गीता पंत
6	स्वच्छक	01	श्रीमती कमलेश
7	फार्मसिस्ट	01	श्री गिरीश चन्द्र काण्डपाल

मृग विहार प्रबन्धन / सलाहाकार समितिः— मृग विहार के कुशल प्रबन्धन एवं आय के विभिन्न स्रोतों के सृजन तथा विभिन्न कार्यों के अतिरिक्त रैस्क्यू सैन्टर, बन्दर बध्याकारण कार्यक्रम के सम्पादन हेतु एक प्रबन्धन समिति का गठन किया जाना आवश्यक है तथा बन्दर बध्याकरण आपरेशन घायल / मृत वन्य जीवों के उपचार पोस्टमार्टम हेतु चिकित्सकों, फार्मासिस्ट की भी अति आवश्यकता है।

लेखा अनुभागः— चिड़ियाघर की आय केवल चिड़ियाघर में आगंतुकों के आगमन से है। वर्ष 2019—20 में आगंतुकों से रू0 3.54 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ और वर्ष 2019—20 में चिड़ियाघर पर रू0 12.00 लाख का व्यय किया गया है।

वन्य प्राणियों की प्रतिदिन आहार सूचनाः—

क0सं0	वन्य प्राणी	खाद्य सामग्री	शीतकाल	ग्रीष्मकाल	उपवास का दिन
1	सांभर Sambar Deer	चना चोकड़(गेहूँ) पशु आहार	0.420 kg 0.400 kg 0.310 kg	0.420 kg 0.400 kg 0.301. kg	—
2	चीतल Spotted Deer	चना साबुत चोकड़ (गेहूँ) पशु आहार	0.300 kg 0.250 kg 0.200 kg	0.300 kg 0.250 kg 0.200 kg	—
3	काकड़ Barking Deer	चना साबुत चोकड़ (गेहूँ) पशु आहार	0.200 kg 0.170 kg 0.130 kg	0.200 kg 0.170 kg 0.130 kg	मंगलवार
4	काला भालू Himalayan Black	बैंगन / मौसमी फल	2.00 kg 1.00 kg	2.00 kg 1.00 kg	

	Bear	आटा(रोटी) चावल(खीर) गुड़ दूध	0.500 kg 0.250 kg 1.00 ltr	0.500 kg 0.250 kg 1.00 ltr	–
5	बन्दर White Monkey	आटा(रोटी) केला	0.250 kg 4 no.	0.250 kg 4 no.	–
6	गुलदार Leopard	भैंसा गोस्त	3.00 kg प्र0दिन / प्र0तेन्दुआ	3.00 kg प्र0दिन / प्रति तेन्दुआ	

टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सुरक्षाः–

S.No.	Species	Disease Vaccinated For	Name of the Vaccine and dosage/quantity use	Periodicity	Remark
1	Feline	Nil			
2	Small Carnivores	Rabies	Raksharb(1ml)	Annual	
3	Himalayan Black Bear	Rabies	Raksharab	Annual	
4	Herbivores	Foot and Mouth Disease	Triovac Vaccine	Annual	

वन्य प्राणियों की कृमिनाशक दवापान सूचीः–

S.No.	Species	Drug Used	Month
1	Carnivores	Albmar	Thrice in a year
2	Omnivores	Panucur, Albamar	Thrice in a year
3	Herbivores	Panucur, Nilzan	Thrice in a year
4	Pheasant and Birds	Nil	

कीटाणुशोधन अनुसूचीः–

S.No.	Species	Type of enclosure	Disinfectant Used and Method	Frequency of Disinfection
1	Carnivores	Night Shetter Drain Pipe Etc	Lizol Solution Phinayal Solution	Daily
2	Omnivores	Night Shetter Drain Pipe Etc	Lizol Solution Phinayal Solution	Daily
3	Harbivores	Night Shetter	Lizol Solution	Daily

जूनोटिक बिमारी के लिए कर्मचारियों की स्वास्थ्यता जाँचः—

S.No.	Name	Designation	Date of Health Checkup	Finding of Health Checkup
1	Sri Rajesh Kumar Joshi	Range Officer	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-
2	Sri Devendra Singh Kholiya	Forester	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-
3	Sri Lacham Ram Arya	Forester	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-
4	Smt. Deepa Pathak	Forester	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-
5	Sri Khajan Singh Mehta	Forest Guard	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-
6	Sri Mohit Tiwari	Forest Guard	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-
7	Smt. Geeta Pant	Chaukidar	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-
9	Smt.Kamlesh	Cleaner	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies	-

विशेष एवं महत्वपूर्ण आयोजित कार्यक्रमः— जन मानस में वन्य जीवों के प्रति स्नेह एवं जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मृग विहार वन क्षेत्र में विशेष अवसरों पर वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह, विश्व पर्यावरण दिवस, अग्नि सुरक्षा सप्ताह, योग दिवस आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं नगर क्षेत्र के विद्यालयों एवं संस्थानों के छात्र—छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।

वन्य प्राणियों के रखरखाव के लिए ऋतुवार विशेष व्यवस्थाः– मृग विहार में वन्य प्राणियों के बाड़ों को उनके प्राकृतिक आवास के अनुरूप तथा स्वच्छंद विचरण के लिए अनुकूल बनाने हेतु बाड़ों में लकड़ी के पर्च, गुफानुमा सैल्टर, छिपने हेतु झाड़ियाँ आदि को समायोजित किया गया। विभिन्न मौसमों में वन्य प्राणियों को प्रोटीन, कैल्सियम एवं ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से उनके दैनिक आहार में खाद्य पूरकों का भी समावेश विभिन्न विधियों द्वारा किया जाता है।

शोध कार्यः– वन्य प्राणियों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रजनन कार्य किसी भी मृग विहार का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। मृग विहार अल्मोड़ा में विभिन्न स्वदेशी अनुसूचित विलुप्त प्राय वन्य प्राणियों में प्रजनन कार्य संचालित है। वर्तमान में सांभर, चीतलों की प्रजनन क्षमता उम्रदराज होने के कारण कम हो गयी है तथा चीतल सांभर बाड़ों में नर व मादा के लिए अलग–अलग बाड़ा स्थापित नहीं है और न ही चिकित्सा देख–रेख हेतु डॉक्टर एवं फार्मासिस्ट उपलब्ध हैं।

वन्य प्राणियों की वार्षिक सूची 2019–20 :–

मृग विहार में वन्य प्राणियों की वार्षिक सूची निम्न प्रकार हैः–

S.No	Animal Name	Opening Stock			Birth			Acquisition			Disposal			Death			Closing Stock		
		M	F	T	M	F	T	M	F	T	M	F	T	M	F	T	M	F	T
1	सांभर	06	12	18	02	07	09	–	–	–	–	–	–	–	–	–	08	19	27
2	चीतल	24	43	67	0	03	03	–	–	–	–	–	–	0	02	02	24	44	68
3	सफेद बन्दर	01	00	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	01	00	01
4	काला भालू	01	00	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	01	00	01
5	तेन्दुआ	04	05	09	–	–	–	–	–	–	–	–	–	0	0	0	04	05	09
6	काकड़	00	01	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	01	01	00	0	0
	योग	36	61	97	02	10	12	–	–	–	–	–	–	0	03	03	38	68	106

वन्य प्राणियों की मृत्यु दरः–

S.No	Animal Name	Sex	Date of Death	Reason of Death
1	चीतल (2)	मादा	21.02.2020	चोट लगने से अत्यधिक रक्तस्राव
2	चीतल (2)	नर	08.06.2020	आपसी संघर्ष में पेट फटने से।
3	काकड़	मादा	16.07.2020	फेफड़ों में निमोनिया संक्रमण से।

प्रभागीय वनाधिकारी
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग
अल्मोड़ा।